सूरह अल-जिन्न के साथ क्षण

सूरह अल-जिन्न और जिन्न लोक के रहस्यों के साथ चिंतन के क्षण

सूरह अल-जिन्न अल्लाह की इजाज़त से ग़ैब की दुनिया की एक खिड़की खोलती है। यह बताती है कि जिन्न कुरआन सुनते और प्रभावित होते हैं, और हिदायत व गुमराही दो واضح रास्ते हैं।

ये चिंतन तौहीद, शिर्क से इनकार, और वह्य के सामने इंसान व जिन्न दोनों की ज़िम्मेदारी पर ठहरते हैं।

मक़सद ख़ौफ़ पैदा करना नहीं, बल्कि यह यक़ीन गहरा करना है कि अल्लाह रब्बुल आलमीन है, और कुरआन उसके लिए नूर है जो सच्चाई से सुने।

Generated from the localized educational narrative. Arabic remains the original authored PDF. · al-jinn · hi